Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-505

भारतीय ज्योतिष का परिचय एंव इतिहास–02

एम0ए0 ज्येातिष (MAJY-20/21)

द्वितीय सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. ज्योतिषशास्त्र का मानवजीवन से क्या संबंध है? विस्तृत व्याख्या करें।

P.T.O.

Q.2. द्वादश भावों का विस्तृत उल्लेख करें।

Q.3. रोगोत्पत्ति में ग्रहयोगों कारण दर्शायें।

Q.4. सृष्टि सिद्धांत की व्याख्या करें।

Q.5. काल की परिभाषा सहित नवविधकालमान बतायें।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. ज्योतिष एंव शिक्षा के अंतः संबंध पर प्रकाश डालें।

Q.2. भाषा विज्ञान में ज्योतिष का महत्व प्रतिपादित करें।

Q.3. आयुर्वेद में ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

Q.4. ग्रहों के जपनीय वैदिक मंत्रों को क्रम से प्रतिपादित करें।

Q.5. आधुनिक मत में सृष्टि सिद्धांत को उपस्थापित करें।

Q.6. प्रलय क्या है? स्पष्ट करें।

Q.7. अधिमास के बारे में वर्णन करें।

Q.8. दिक् ज्ञान की उपयोगिता प्रतिपादित करें।

****